आइआइएम के छात्र विशेषज्ञों से प्राप्त करेंगे व्यावहारिक ज्ञान

रांची (वि): भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची देश में स्थापित होने वाला नौवां ऐसा संस्थान है जो सीएफए संस्थान विश्वविद्यालय के संबद्धता कार्यक्रम (यूएपी) का हिस्सा बन गया है। किसी भी विश्वविद्यालय को संबद्धता कार्यक्रम के लिए संस्थान को अपने दो साल के एमबीए पाठ्यक्रम में सीएफए प्रोग्राम कैंडिडेट बाडी आफ नालेज का कम से कम 70 प्रतिशत एम्बेड करने की आवश्यकता होती है। संबद्धता संस्थान को कक्षाओं में व्यावहारिक ज्ञान लाने के लिए सीएफए संस्थान के साथ काम करने का अवसर प्रदान करती है। इससे छात्र विभिन्न सत्रों एवं अवसरों के माध्यम से वैश्विक उद्योग के विशेषज्ञों से उद्योग के बारे में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। उक्त जानकारी देते आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इसके अलावा छात्रों को सीएफए परीक्षा के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क में छूट प्राप्त होता है। इस संबद्धता के माध्यम से भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची सीएफए के साथ भी सहयोग करेगा। ताकि कक्षा में वास्तविक दुनिया के बारे में सीखने का एक उदाहरण पेश किया जा सके। इससे छात्रों को यह लाभ हो सकेगा कि वे विभिन्न सत्रों और अवसरों के माध्यम से उन्हें दुनिया भर के व्यवसायी से बहुमूल्य उद्योग से अंर्तदृष्टि प्राप्त होगी। निदेशक ने कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची सीएफए संस्थान विश्वविद्यालय के संबद्धता कार्यक्रम का हिस्सा बना है। यह साझेदारी संस्थान के एमबीए छात्रों को विविध और व्यापक सीखने के अनुभव को विस्तारित करने, उनके करियर में वित्तीय कौशल को गहरा करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। सीएफए संस्थान की कंट्री हेड इंडिया आरती पोरवाल ने कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची के यूएपी में शामिल होने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं। सीएफए संस्थान अनुसंधान, विचार नेतृत्व और शिक्षा परियोजनाओं पर एक साथ काम करने के लिए भी तत्पर हैं जो उद्योग को बडे पैमाने पर लाभान्वित करेगा। और छात्रों को भी लाभ मिलेगा।

Dainik Jagran, 03.03.2023, Pg4